आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 267 | उज्जैन, रविवार 17 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

जानापाव का महत्व वृंदावन से कम नहीं-मुख्यमंत्री

जानापाव तीर्थ स्थल पर सभी आवश्यक विकास कार्य कराए जाएंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं अलौकिक थीं। प्रदेश सरकार श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करने के लिए अभियान चला रही है। जो महत्व मथुरा, गोकुल और वृंदावन का है, वही महत्व जानापाव का है। परशुराम जी ने श्रीकृष्ण को यहीं पर सुदर्शन चक्र दिया था। यह एक ऐतिहासिक स्थल है। भगवान श्रीकृष्ण को परशुराम जी का आशीर्वाद मिला। अनेक अवसरों पर जब सभी अस्त्र-शस्त्र फेल हुए तो श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र का उपयोग किया और उनकी जय-जयकार हुई। प्रदेश में धूमधाम से भगवान श्री बलराम जयंती, स्वतंत्रता दिवस के बाद आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर इंदौर जिले में स्थित भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव में आयोजित श्रीकृष्ण पर्व कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व मंत्री एवं विधायक सुश्री ऊषा ठाकुर, विधायक श्री गोलू शुक्ला, विधायक श्री रमेश मेंदोला, विधायक श्री मधु वर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और सभी को भगवान श्रीकृष्ण के प्रकटोत्सव ÷जन्माष्टमी पर्व÷ की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की सभी लीलाएं हमें जीना सिखाती है। जानापाव को भी श्रीकृष्ण पाथेय में शामिल किया गया है।

यहां आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विकास कार्य कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मटकी फोड़ कार्यक्रम में भी शामिल हुए। इस अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा भजन संध्या का आयोजन भी किया गया।

अगले 3 साल तक नहीं खुलेंगे नए लॉ कॉलेज, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआइ) ने देश भर में नये लॉ कॉलेजों की स्थापना पर तीन वर्ष के लिए रोक लगा दी है। बार काउंसिल ने कानूनी शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्ता में आ रही गिरावट को रोकने के लिए यह कदम उठाया है।

बार काउंसिल का मानना है कि कानूनी शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार गिरावट का प्रमाण घटिया स्तर के संस्थानों की अनियंत्रित वृद्धि, राज्य सरकारों द्वारा रुटीन में अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करना और विश्वविद्यालयों द्वारा उचित निरीक्षण के बिना संबद्धता प्रदान करना है।

अगले 3 साल तक नहीं खुलेंगे नए लॉ कॉलेज- नये लॉ कॉलेजों की स्थापना पर तीन साल की रोक का कदम कानूनी शिक्षा के व्यवसायीकरण, व्यापक शैक्षणिक कदाचार और योग्य संकाय (फैकेल्टी) की निरंतर कमी को रोकने के लिए भी उठाया गया है। तीन वर्ष की रोक की अवधि में देश भर में कोई भी नये विधि शिक्षा केंद्र की स्थापना नहीं की जाएगी या मंजूरी नहीं दी जाएगी। इसके अलावा कोई भी मौजूदा विधि शिक्षा केंद्र बीसीआइ की पूर्व लिखित स्वीकृति के बगैर अनुभाग, पाठ्यक्रम या बैच नहीं शुरू कर सकते हैं।

सिर्फ फैसलों से नहीं, सुनने से भी होता है न्याय; पूर्व CJI चंद्रचूड़ का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायाधीश समाज के घावों को सहानुभूति से सुनकर ही नहीं, बल्कि अपने निर्णयों के माध्यम से भी भरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कभी-कभी, एक नागरिक को धैर्यपूर्वक सुनना भी एक उपचार का कार्य होता है।मेघालय हाई कोर्ट के 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि स्वतंत्रता केवल उपनिवेशी शासन से मुक्ति नहीं है, बल्कि मन और आत्मा की आंतरिक मुक्ति भी है।

युवाओं से किया आह्वान- उन्होंने युवाओं से भारत की विविधता की रक्षा करने का आह्वान किया और उनके उद्यमिता ऊर्जा को पोषित करने तथा इसे आत्म-प्रेरणा में बदलने की बात कही। पूर्व सीजेआई ने मेघालय हाई कोर्ट की प्रशंसा की, जिसे उन्होंने शासन का प्रहरी और एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य में नागरिकों और कानून के बीच एक पुल बताया।

गुटखा-पान मसाला महंगा, टीवी-फ्रिज और दवा होंगी सस्ती; GST में बदलाव से आपको कैसे फायदा मिलेगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर में राहत देने के बाद सरकार अब जीएसटी में भी राहत देने जा रही है। इसका मकसद है मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात को आसान बनाना। अमेरिकी टैरिफ के मुकाबले में यह असरदार साबित हो सकता है।

सरकार के प्रस्ताव के मुताबिक जीएसटी की अब सिर्फ दो पांच और 18 प्रतिशत की दरें होंगी। अभी जीएसटी की चार पांच, 12,18 और 28 प्रतिशत की दरें हैं। सोने पर तीन प्रतिशत जीएसटी लगता है।

गरीबों को मिलेगी राहत- केंद्र सरकार के प्रस्ताव के मुताबिक 12 प्रतिशत के दायरे में आने वाली अधिकतर वस्तुएं पांच प्रतिशत में तो 28 प्रतिशत में शामिल में 90 प्रतिशत वस्तुएं 18 प्रतिशत के स्लैब में शामिल हो जाएंगी। इससे रोजमर्रा की 90 प्रतिशत चीजें सस्ती हो जाएंगी, जिससे गरीब को राहत मिलेगी।

28 प्रतिशत के दायरे में शामिल टीवी, फ्रिज, एसी जैसे इलेक्ट्रानिक्स आइटम के साथ कार की कीमत में 10 प्रतिशत की कमी आएगी, जिससे मध्य वर्ग को फायदा होगा। इससे इन वस्तुओं की बिक्री बढ़ेगी, जिससे मैन्युफैक्चरिंग और खपत दोनों को प्रोत्साहन मिलेगा। खेती में इस्तेमाल होने वाली मशीन से लेकर विभिन्न उपकरण पर भी पांच प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जिससे किसानों को लाभ मिलेगा। शिक्षा से जुड़े उत्पाद, हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस, दवा एवं विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य जांच उपकरण पर लगने वाले जीएसटी में भी राहत दी जाएगी।

इन सबके अलावा अधिकतर कच्चे माल के सस्ते होने से भारतीय वस्तुओं की मैन्युफैक्चरिंग लागत कम हो जाएगी, जिससे वैश्विक बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ेगी। एक विशेष दर भी तय की जाएगी।

राजस्थान में नहीं थम रहे स्कूलों में हादसे, अब निर्माणाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिरा; बच्ची की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उदयपुर के आदिवासी बहुल क्षेत्र कोटड़ा के पाथरवाड़ी गांव में शुक्रवार को निर्माणाधीन सरकारी स्कूल का छज्जा गिरने से 12 वर्षीय बच्ची मोली पुत्री श्यामा की मौत हो गई, जबकि 11 वर्षीय पायल पुत्री राकेश घायल हो गई।

हादसा उस समय हुआ जब दोनों बच्चियां स्कूल के पास खेल रही थीं। अचानक छज्जा गिरने से वे मलबे में दब गईं। ग्रामीणों ने प्रशासन पर घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

दूसरे भवन में संचालित हो रहा था स्कूल- डीएसपी राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि पाथरवाड़ी में पीएमश्री योजना के तहत सीनियर सेकेंडरी स्कूल का निर्माण चल रहा था। हादसे के समय स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के कारण स्कूल दूसरे भवन में संचालित हो रहा था। मृतका मोली गऊ पीपल गांव की रहने वाली थी और कुछ दिन पहले मामा के घर आई थी। घायल पायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिक्षा विभाग के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर ननिहाल सिंह ने बताया कि घटना निर्माणाधीन हिस्से में हुई, जहां कक्षाएं नहीं लग रही थीं। हादसे के बाद शिक्षा विभाग ने कार्रवाई करते हुए संविदा पर कार्यरत जूनियर इंजीनियर अनिल कश्यप को तत्काल सेवा से हटा दिया है।

साथ ही असिस्टेंट इंजीनियर हेम सिंह को निलंबित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जेईएन करीब 30 साल और एईएन लगभग 10 साल से विभाग में कार्यरत थे।

दही हांडी उत्सव के दौरान बड़ा हादसा, 32 वर्षीय गोविंदा की मौत; 30 लोग घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में दही हांडी उत्सव के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। मानखुर्द इलाके के महाराष्ट्र नगर में रस्सी बांधते समय 32 वर्षीय गोविंदा जगमोहन शिवकिरण चौधरी जमीन पर गिर गए। आनन-फानन में उन्हें शताब्दी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जगमोहन बाल गोविंद पाठक से जुड़े हुए थे। उनकी मौत की वजह से उत्सव का माहौल मातम में बदल गया। बीएमसी की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार दोपहर 3 बजे तक मुंबई में दही हांडी से जुड़े हादसों में 30 लोग घायल हुए हैं।

भारत विश्व की फार्मेसी, पीएम मोदी ने सुझाया नवाचार का नुस्खा; नए शोध एवं विकास के साथ पेटेंट पर दिया विशेष जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फार्मा उद्योग को भी नवाचार का नुस्खा सुझाया। विश्व की फार्मेसी कहे जाने वाले भारत की क्षमताओं को उल्लेखित करने के लिए उन्होंने याद दिलाया कि किस तरह कोराना के संक्रमण काल में आपदा को अवसर बनाते हुए भारत ने मानव जाति का कल्याण किया।

फार्मा उद्योग को प्रधानमंत्री ने दिखाई संभावनाएं- प्रधानमंत्री ने फार्मा उद्योग से जुड़े युवाओं को उत्साहित-प्रेरित करते हुए कहा- वैक्सीन में हम नए-नए रिकॉर्ड स्थापित करते हैं, लेकिन क्या समय की मांग नहीं है कि हम शोध एवं विकास में और ताकत लगाएं? हमारे अपने पेटेंट हों।

दवा उत्पादन और निर्यात में वृद्धि के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बीच पीएम का यह प्रोत्साहन उस फार्मा उद्योग को मोरल बूस्टर डोज दे सकता है, जिसने बीते एक दशक में निर्यात के आंकड़े में 16.9 बिलियन डालर से 30.4 बिलियन डॉलर तक की छलांग लगाई है।

भारत के फार्मा उद्योग को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के पीछे प्रधानमंत्री मोदी ने मानव कल्याण को भी आधार बनाया। कहा कि हमारी अपनी बनाई हुई सस्ते से सस्ती और सबसे कारगर नई-नई दवाइयों का शोध हो और संकट में साइड इफेक्ट के बिना मानव जाति के कल्याण में काम आए।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा- मैं यह इसलिए कहने की हिम्मत करता हूं, क्योंकि मुझे देश के नौजवानों के साम?र्थ्य पर भरोसा है। भरोसा सिर्फ इसलिए नहीं है कि वह मेरे देश के नौजवान है। कारण बताया कि कोविड के समय हम बहुत सारी चीजों पर निर्भर थे। जब मेरे देश के नौजवानों को कहा गया कि वैक्सीन हमारी अपनी चाहिए तो देश ने करके दिखाया।

कोविन प्लेटफार्म हमारा अपना होना चाहिए तो देश ने करके दिखाया। करोड़ों-करोड़ों लोगों की जिंदगी बचाने का काम हमने किया है। वही जज्बा चाहिए, हमें जीवन के हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए अपना सब कुछ देना है, अपना जो बेस्ट है, हमें देखकर के रहना है। दरअसल, फार्मा उद्योग में आत्मनिर्भरता के लिए पीएम को यह आत्मविश्वास निराधार कतई नहीं है।

पुतिन से मुलाकात से पहले ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति में हुई सांठगांठ, अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें बताया है कि उनके कार्यकाल के दौरान चीन ताइवान पर आक्रमण नहीं करेगा।

ट्रंप ने यह टिप्पणी फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में की, जो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ यूक्रेन पर मॉस्को के आक्रमण पर बातचीत से पहले दिया गया था। ट्रंप ने कहा, मैं आपको बता दूं कि चीन और ताइवान के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच भी कुछ ऐसा ही है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि जब तक मैं यहां हूं, ऐसा हो पाएगा। देखते हैं क्या होता है।

जब आप राष्ट्रपति हैं मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा- अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, उन्होंने मुझसे कहा, जब तक आप राष्ट्रपति हैं, मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मुझसे यह कहा, और मैंने कहा, मैं इसकी सराहना करता हूं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा, लेकिन मैं बहुत धैर्यवान हूं और चीन भी बहुत धैर्यवान है। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और उसने जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग करके, इस लोकतांत्रिक और पृथक शासित द्वीप के साथ मिलाने की कसम खाई है। ताइवान चीन के संप्रभुता के दावों पर कड़ी आपत्ति जताता है। वॉशिंगटन स्थित चीनी दूतावास ने शुक्रवार को ताइवान के विषय को चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दा बताया।

ताइवान सरकार ने नहीं दी अभी तक प्रतिक्रिया- हालांकि, अमेरिका ताइवान का मुख्य हथियार आपूर्तिकर्ता और अंतर्राष्ट्रीय समर्थक है, लेकिन ज्यादातर देशों की तरह अमेरिका के भी इस द्वीप के साथ कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। ताइवान सरकार ने अभी तक ट्रंप की टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन शनिवार को सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के एक वरिष्ठ सांसद ने कहा कि ताइवान अपने प्रमुख सहयोगी के समर्थन के लिए आभारी है।

सिर्फ सीजफायर से कुछ नहीं होगा, पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप का नया एलान; बताया कैसे खत्म होगा रूस-यूक्रेन वॉर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अलास्का में मुलाकात हुई। इस मुलाकात से पहले ये कयास लगाए जा रहे थे कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को लेकर कोई महत्वपूर्ण फैसला लिया जा सकता है।

हालांकि, दोनों नेताओं की मीटिंग के बाद यूक्रेन को लेकर कुछ स्पष्ट रुख सामने नहीं आया है। ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की बात पर कहा कि इसे खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका सीधे शांति समझौता करना हो सकता है। उन्होंने कहा कि सिर्फ सीजफायर करने से युद्ध खत्म हो नहीं हो सकता है। अमेरिका जाएंगे जेलेंस्की

हालांकि, पुतिन के साथ बैठक के बाद ट्रंप ने साफ कर दिया कि पुतिन सीजफायर के लिए नहीं माने हैं। इस बीच यह भी खबरें आ रही है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अमेरिका का रुख करने वाले हैं। बता दें, पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप ने जेलेंस्की समेत नाटो लीडर्स से फोन पर लंबी बातचीत की, जिसके बाद अब जेलेंस्की ने सोमवार को अमेरिका जाने का फैसला किया है।

ट्रंप से हुई बातचीत की जेलेंस्की ने दी जानकारी- ट्रंप ने फोन पर बात होने के बाद जेलेंस्की ने कहा कि शनिवार को हमारी लंबी बातचीत हुई। यूक्रेन त्रिपक्षीय बैठक (रूस, यूक्रेन और अमेरिका) के लिए तैयार है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यूक्रेन शांकि स्थापित करने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रयास करने को पूरी तरह से तत्पर है। हम राष्ट्रपति ट्रंप के रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच त्रिपक्षीय बैठक का समर्थन करते हैं।

ट्रंप-पुतिन की मुलाकात पर मेलोनी का आया रिएक्शन, यूक्रेन वॉर पर क्या बोलीं इटली की पीएम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भी ट्रंप और पुतिन की बैठक पर प्रतिक्रिया दी है। मेलोनी ने ट्रंप की तारीफ करते हुए कहा कि इस मुलाकात के बाद यूक्रेन में शांति की उम्मीद जगी है। अलास्का में ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के बाद दुनिया भर के नेताओं ने इसपर रिएक्शन दिए हैं। वहीं, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए ट्रंप की तारीफ की है।

मेलोनी ने क्या कहा- मेलोनी ने अपनी पोस्ट में लिखा, आखिरकार यूक्रेन में शांति पर बातचीत की शुरू होने की उम्मीद जगी है। इटली भी अपने सभी पश्चिमी देशों के साथ इस शांति वार्ता में अहम योगदान देने को तैयार है।

अमेरिका जाएंगे जेलेंस्की- अलास्का में ट्रंप, यूक्रेन और रूस के बीच सीजफायर करवाने में तो सफल नहीं हुए, लेकिन ट्रंप ने इस मुलाकात को सकारात्मक करार दिया है। अलास्का से वापसी के दौरान ट्रंप ने यूरोपीय देशों समेत यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी फोन पर लंबी बातचीत की। वहीं, अब जेलेंस्की सोमवार को अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे हैं।

पाकिस्तान में बाढ़ का कहर, खैबर पख्तूनख्वा के कई जिलों में मची तबाही, मृतकों की संख्या 300 पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अचानक आई बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 307 हो गई है। मरने वालों में 13 बच्चे भी शामिल हैं।

प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, 21 अगस्त तक रुक-रुक कर मूसलधार बारिश के जारी रहने की संभावना है। पीडीएमए के प्रवक्ता फैजी ने बताया कि मरने वालों में 279 पुरुष, 15 महिलाएं और 13 बच्चे शामिल हैं। 23 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें 17 पुरुष, चार महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं।

पाकिस्तान के इन जिलों में है बुरा हाल- प्रभावित जिलों में बाजौर, बुनेर, स्वात, मनाहरा, शांगला, तोरघर और बटाग्राम शामिल हैं। बुनेर सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां 184 लोगों की मौत हुई है। शांगला में 36 लोगों की मौत हुई, इसके बाद मनसेहरा में 23, स्वात में 22, बाजौर में 21, बट्टाग्राम में 15, लोअर दीर में पांच और एबटाबाद में एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई।

इतने घर हो गए तबाह- फैजी ने बताया कि अब तक 74 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें से 63 आंशिक रूप से और 11 पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं।

पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप ने जेलेंस्की को मिलाया फोन, NATO लीडर्स से भी की बात; क्या रुकने वाला है रूस-यूक्रेन वॉर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की समेत नाटो देशों से फोन पर लंबी बातचीत की है। व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप ने जेलेंस्की के साथ-साथ यूरोपीय देशों को भी बैठक से जुड़ी सारी जानकारी दी है।

ट्रंप ने यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से भी फोन पर बात की। वॉन डेर लेयेन की प्रवक्ता ने भी ट्रंप के फोन कॉल की पुष्टि की है।

फोन पर कौन-कौन शामिल- ट्रंप की इस फोन कॉल में दुनिया के कई बड़े नेता शामिल थे। इस लिस्ट में नाटो के सचिव मार्क रूटे, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन समेत जर्मनी, फिनलैंड, पोलैंड, इटली और ब्रिटेन के दिग्गज नेताओं का नाम शामिल है। हालांकि, इस दौरान ट्रंप ने सभी नेताओं से क्या बात की? इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। ट्रंप ने पत्रकारों से बात करने से साफ इनकार कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने जेलेंस्की और नाटो लीडर्स के बीच बातचीत की पुष्टि की है, लेकिन किसी ने भी इसपर प्रतिक्रिया देने से साफ इनकार दिया है।

अमेरिका जाएंगे जेलेंस्की- जानकारी के अनुसार, ट्रंप से बात करने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोमवार को वाशिंगटन जाने का फैसला किया है। अलास्का में पुतिन और ट्रंप की बैठक बेशक बेनतीजा रही, लेकिन ट्रंप ने इस मुलाकात सकारात्मक करार दिया है।

इधर अलास्का में ट्रंप-पुतिन की मुलाकात, उधर यूक्रेन के दो गांवों पर रूस ने कर लिया कब्जा

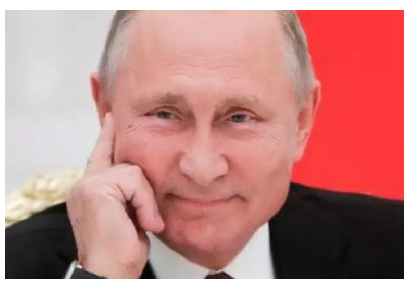

नई दिल्ली (एजेंसी)। अलास्का में ट्रंप और पुतिन की बैठक सीजफायर तक नहीं पहुंच सकी। इस बैठक के तुरंत बाद रूस से चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। पुतिन को अलास्का से लौटे कुछ घंटे भी नहीं बीते थे कि रूसी सेना ने यूक्रेन में 2 अन्य गांवों पर कब्जा कर लिया है।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उनकी सेना ने यूक्रेन के दोनेत्स्क और निप्रॉपेट्रोस में 2 गांव अपने कब्जे में ले लिए हैं।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा, हमारी सेना ने शनिवार को यूक्रेन के दोनेत्स्क में 1 गांव और निप्रॉपेट्रोस में 1 गांव पर कब्जा कर लिया है।

ट्रंप और पुतिन की मुलाकात- यह खबर अलास्का में ट्रंप और पुतिन के मुलाकात के कुछ घंटों बाद ही सामने आई है। दोनों नेताओं के बीच 3 घंटे तक चली मुलाकात में सीजफायर पर बात नहीं बन सकी। हालांकि, ट्रंप का कहना है कि यह बैठक सकारात्मक रही है।

सीजफायर पर क्या बोले ट्रंप- अलास्का से लौटने के बाद ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की समेत नाटो लीडर्स से भी फोन पर बात की। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि, अब जो करना है जेलेंस्की को करना होगा, तभी सीजफायर हो सकेगा। वहीं, जेलेंस्की भी कल यानी सोमवार को वाशिंगटन जाने वाले हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध फरवरी 2022 से चल रहा है। इस युद्ध को 3 साल से भी अधिक हो गए हैं, लेकिन अभी तक दोनों देशों के बीच सीजफायर होने की गुंजाइश नजर नहीं आ रही है।

ट्रंप की पत्नी मेलानिया का पुतिन के नाम पत्र, खुद US प्रेसिडेंट ने अपने हाथों से थमाया; अंदर क्या लिखा था?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अलास्का मुलाकात हुई। दोनों ने इस दौरान यूक्रेन युद्ध के अलावा भी कई मुद्दों पर चर्चा। पुतिन और ट्रंप के बीच की इस मुलाकात पर दुनिया की नजर टिकी रही।

भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति और रूसी राष्ट्रपति के बीच ये महाबैठक घंटों चली हो, लेकिन इस बैठक के दौरान किसी भी मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी। इस दौरान एक और वाकया हुआ, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

ट्रंप ने पुतिन को दी मेलानिया की चिट्ठी- समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, इस बैठक के किसी भी कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका की फर्स्ट लेडी और डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया नहीं पहुंची थीं। हालांकि, उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन के लिए एक खास संदेश जरूर भेजा था।

ट्रंप की पत्नी मेलानिया ने राष्ट्रपति पुतिन के लिए एक लेटर लिखा था। इस पत्र को ट्रंप ने खुद पुतिन को सौंपा। बताया जा रहा है कि इस पत्र में मेलानिया ने यूक्रेन और रूस के बच्चों को लेकर चिंता जाहिर की थी।

इस मुद्दे पर मेलानिया ने रखी अपनी बात- रिपोर्ट्स के अनुसार, मेलानिया ने अपने पत्र के माध्यम से यूक्रेन और रूस के बच्चों की स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की और इसे लिखित रूप से पुतिन तक पहुंचाया।

मुनीर की परमाणु धमकी से..., पाक आर्मी चीफ के बयान पर RSS नेता का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेता राम माधव ने पाकिस्तान आर्मी चीफ असीम मुनीर को करारा जवाब दिया है। भारत को परमाणु की धमकी देने पर राम माधव ने कहा कि इस गीदड़भभकी से कोई नहीं डरता है। भारत भी ऐसी कदमों पर तगड़ा पलटवार करने की ताकत रखता है।

पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर ने कुछ दिन पहले अमेरिकी दौरे पर भारत परमाणु की धमकी दी थी, जिसपर विदेश मंत्रालय ने भी सख्त प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

मुनीर को दिया जवाब- असीम मुनीर को मुंहतोड़ जवाब देते हुए राम माधव ने कहा, मुनीर की परमाणु धमकी से कोई डरने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका करारा जवाब दिया है। भारत में कोई न्यूक्लियर ब्लैकमेल से नहीं डरेगा। अगर सचमुच ऐसी कोई परिस्थिति आई तो भारत के पास भी पलटवार करने की ताकत है।

असीम मुनीर ने यह धमकी अमेरिका में दी थी, जिसपर प्रतिक्रिया देते हुए राम माधव कहते हैं- राष्ट्रपति ट्रंप को समझना मुश्किल है। वो लेन-देन करने वाले व्यक्ति हैं। जैसे सभी देश अपने तरीके से ट्रंप से डील कर रहे हैं, वैसे भारत भी अपने तरीके से उनसे निपटेगा।

ट्रंप पर क्या कहा- ट्रंप के बारे में बात करते हुए राम माधव कहते हैं, हम ट्रंप के स्टाइल को नहीं समझते हैं। ट्रंप ने पहले उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन से भी दोस्ती बढ़ाई थी। सिंगापुर में दोनों की मुलाकात हुई थी। ट्रंप ने किम को अपना दोस्त बताया। हालांकि, ट्रंप की इन कोशिशों से अमेरिका और उत्तर कोरिया के संबंधों में कोई सुधार नहीं हुआ।

पाकिस्तानी मूल के शख्स ने किया लव जिहाद, हिंदू लड़की का कराया मतांतरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद के बंजारा हिल्स इलाके में एक पाकिस्तानी मूल के शख्स फवाह के खिलाफ लव जिहाद का गंभीर मामला सामने आया है। फवाह पर आरोप है कि उसने अपनी राष्ट्रीयता छिपाकर अवैध दस्तावेजों के जरिए एक हिंदू लड़की कीर्ति को प्यार के जाल में फंसाकर उसका जबरन मतांतरण कराया है।

फवाह ने कीर्ति से 2016 में उससे शादी की- कीर्ति से 2016 में उससे शादी की। लेकिन अब फवाह ने कीर्ति को छोड़कर एक दूसरी महिला के साथ घर बसा लिया, जिसके बाद कीर्ति ने लुंगर हाउस पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

फवाह ने कीर्ति को छोड़कर एक दूसरी महिला से शादी कर ली- एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि कीर्ति ने बताया कि फवाह ने जबरदस्ती उसका धर्म परिवर्तन कर दिया। पिछले ढाई साल से दोनों के बीच तनावपूर्ण संबंध हैं और वे अलग रह रहे हैं। कीर्ति का आरोप है कि उसका पति जाहबीन फातिमा नाम की एक अन्य महिला के साथ रह रहा है और लव जिहाद में लिप्त है। पीड़िता ने दावा किया कि उसे इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसका पति पाकिस्तान से है।

परमिट राज ने सेमीकंडक्टर कार्यों पर लगाई रोक, कांग्रेस पर इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री वैष्णव ने किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि फेयरचाइल्ड के संस्थापक रॉबर्ट नायस 1964 में भारत आए थे, लेकिन कांग्रेस के लाइसेंस परमिट राज ने सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने की अनुमति नहीं दी। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए यह टिप्पणी की।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि देश में सेमीकंडक्टर के बारे में विचार 50-60 साल पहले शुरू हुआ था, लेकिन यह फाइलों में ही अटका रहा। सेमीकंडक्टर के विचार की भ्रूण हत्या हो गई। देश ने 50-60 साल गंवा दिए। हमारे बाद, आज कई देशों ने सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में महारत हासिल कर ली है।

भारत में बनी पहली सेमीकंडक्टर चिप जल्द बाजार में आएगी- पीएम मोदी ने कहा कि देश अब अतीत के बोझ से मुक्त हो चुका है और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में मिशन मोड में आगे बढ़ रहा है। भारत में बनी पहली सेमीकंडक्टर चिप इस साल के अंत तक बाजार में आ जाएगी।

कांग्रेस ने मोदी के बयान पर किया पलटवार- मोदी के भाषण के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पलटवार करते हुए कहा, यह एक और उदाहरण है कि मोदी कितने झूठे हैं। चंडीगढ़ में स्थापित सेमीकंडक्टर कॉम्प्लेक्स लिमिटेड ने 1983 में परिचालन शुरू कर दिया था।

मुंबई में भारी बारिश से हाहाकार, आधी रात को हुई लैंडस्लाइड में 2 की मौत और 4 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से कई राज्यों में हाहाकार मच गया है। खासकर पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों की मौत हो गई है। वहीं, अब मुंबई में भी लैंडस्लाइड देखने को मिली है, जिसमें 2 लोगों की जान चली गई है।

मुंबई के विखरोली में शनिवार को भीषण भूस्खलन हुआ। इस लैंडस्लाइड की वजह भारी बारिश बताई जा रही है। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और कई लोग बुरी तरह से घायल हैं।

झोपड़ी पर गिरा मलबा- यह हादसा शनिवार की रात लगभग 2:39 बजे हुआ। बृहन्मुंबई महानगर पालिका के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बरसात के कारण एक पहाड़ी पर अचानक भूस्खलन हो गया। पहाड़ी का मलबा आकर एक झोपड़ी पर गिरा, जिससे 2 लोगों की जान चली गई और 4 लोग घायल हैं।

सभी पीड़ित एक ही परिवार से हैं। हादसे के फौरन बाद उन्हें राजावडी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने 2 लोगों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान शालू मिश्रा (19) और सुरेश मिश्रा (50) के रूप में हुई है। वहीं, परिवार के दो अन्य सदस्य आरती मिश्रा (45) और ऋतुराज मिश्रा (20) को गंभीर चोटें आई हैं। हालांकि, अब उनकी हालत में सुधार देखने को मिला है।

लैंडस्लाइड के बाद ट्रस्ट ने इलाके के अन्य लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेज दिया गया है, जिससे दोबारा ऐसे हादसे को टाला जा सके।

मुंबई में भारी बारिश- मुंबई में भारी बारिश के कारण लोकल ट्रेनों का आवागमन भी प्रभावित हुआ है। कई जगहों पर जलभराव से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। खासकर दादर, कुर्ला, सियोन, तिलक नगर समेत सभी रेलवे स्टेशनों पर पानी भरने से ट्रेनों का परिचालन बाधित हो गया है।

आगे का रास्ता केवल..., पुतिन-ट्रंप की अलास्का मीटिंग पर आया भारत का पहला रिएक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अलास्का में हुई मुलाकात पर दुनिया की नजरें थीं। रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने को लेकर हुई इस मुलाकात के बाद भारत ने भी प्रतिक्रिया दी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर बैठक का स्वागत करता है। शांति की दिशा में उनका नेतृत्व अत्यंत सराहनीय है।

बातचीत और कूटनीति से ही निकल सकता है रास्ता- उन्होंने आगे कहा, भारत शिखर सम्मेलन में हुई प्रगति की सराहना करता है। आगे का रास्ता केवल बातचीत और कूटनीति से ही निकल सकता है। दुनिया यूक्रेन में संघर्ष का शीघ्र अंत देखना चाहती है।

पुतिन-ट्रंप की मुलाकात के बीच भारत के लिए आई राहत भरी खबर- भारत के लिए एक राहत की बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह रूस और उसके व्यापारिक साझेदारों पर तत्काल अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने पर विचार नहीं कर रहे हैं। हालांकि, ट्रंप ने जोर देकर कहा कि उन्हें 2-3 हफ्तों में इस पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

फॉक्स न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध पर राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत के बाद रूस के प्रति अपना रुख नरम करते हुए कहा कि अलास्का शिखर सम्मेलन अच्छा रहा और उन्होंने इसे 10 में से 10 की रेटिंग दी।

डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ दिन पहले ही रूस के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया था। उन्होंने कहा, मुझे इसके (प्रतिबंधों के) बारे में दो या तीन सप्ताह में सोचना पड़ सकता है, लेकिन हमें इसके बारे में तुरंत सोचने की जरूरत नहीं है।

भारत-पाक बंटवारे के लिए जिन्ना, कांग्रेस और माउंटबेटन जिम्मेदार, NCERT के नए मॉड्यूल पर छिड़ा सियासी संग्राम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में घोषित किया है। इसी दिन भारत-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ था। जिसके कारण लाखों लोगों की जिंदगियों पर गहरा असर देखने को मिला।

इस बीच इस मुद्दे को अच्छे से समझने के लिए एनसीईआरटी के एक नए मॉड्यूल की घोषणा की है। बताया जा रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के इतिहास को अब बच्चे इस एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल से समझेंगे। नए मॉड्यूल में बांटवारे का जिम्मेदार कांग्रेस, जिन्ना और लॉर्ड माउंटबेटन को ठहराया गया है।

दरअसल, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने 14 अगस्त यानी विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर एक विशेष मॉड्यूल जारी किया है।

कहा जा रहा कि हृष्टश्वत्रङ्क के नए मॉड्यूल में बताया गया कि भारत का विभाजन किसी एक व्यक्ति के कारण नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए तीन लोग या पक्ष जिम्मेदार थे। जिसमें...

मुहम्मद अली जिन्ना- उन्होंने बंटवारे की मांग की।

कांग्रेस- इस बंटवारे की मांग को स्वीकार किया।

जानकारी के अनुसार, एनसीईआरटी द्वारा जारी मॉड्यूल को विभाजन के अपराधी के शीर्षक के नाम जारी किया गया है। इस नए मॉड्यूल को कक्षा 6 से 8 और कक्षा 9 से 12वीं के छात्रों के लिए अलग-अलग रूप से तैयार किया गया है। ध्यान देने योग्य बात है कि यह मॉड्यूल किसी भी कक्षा में कोई पाठ के तौर पर नहीं पढ़ाया जाएगा। बल्कि इसको पूरक शैक्षिक सामग्री के तौर पर पेश किया जाना है इसके माध्यम से पोस्टर, वाद-विवाद, प्रोजेक्ट्स और चर्चाओं के माध्यम से बच्चों को सिखाया जाना है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्

सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल सप्तमी

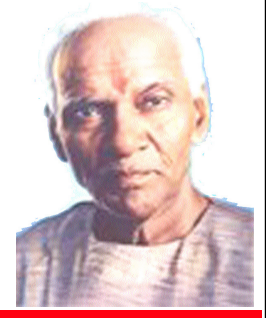

संपादकीय

पृथ्वीलोक पर सृष्टि में सबसे बुद्धिमान जीव मानव की जब से उत्पत्ति या संरचना हुई है...

पृथ्वीलोक पर सृष्टि में सबसे बुद्धिमान जीव मानव की जब से उत्पत्ति या संरचना हुई है, रचनाकर्ता ने गुण अवगुण का पिटारा भी साथ में सृष्टि पर संलग्न कर दिया,इस सृष्टि पर सर्वश्रेष्ठ प्राणी मानव, अपनी बुद्धि कौशलता के आधार पर उस पिटारे में से चुनकर अपने जीवन यात्रा में सलंग्न करें,पिटारे में कई गुणों के रूप में अच्छाई, आत्मविश्वास, परोपकार, नम्रता, दीनता, शांतिप्रियता, मनोबल, उत्साह जैसे हजारों पुष्प और अवगुणों के रूप में अहंकार, दुष्टता, गुस्सा, मैं मैं, धोखा, कुटिलता, क्रोध, द्वेष, दुष्चक्र रूपी हजारों बेशर्म की पत्तियां समाहित है।

साथियों बात अगर हम उस पिटारे में मानव द्वारा उठाए गए गुणों रूपी पुष्प, अवगुणों रूपी बेशर्म पत्तियों की करें यह मानता हूं द्वद्ध हजारों वर्ष पूर्व आदि-अनादि प्राचीन काल से ही हमें इन दोनों स्वरूपी मानव की चर्चा इतिहास में दर्ज पढ़ने को मिली है, जिसका भारतीय स्तरपर राम-रावण कृष्ण-कंस वैश्विक स्तरपर हिटलर, अनेक तानाशाह सहित अनेक हमारे सामने उदाहरण हैं जो आज तक के युग में भी आधुनिक मानव इसी तर्ज पर भी हैं और आगे भी होते रहेंगे,बस हम इस आर्टिकल द्वारा सीखना है कि उस पिटारे में से हमें पुष्प ही चुनकर लेनाहै न कि बेशर्म की पत्तियां हर उदाहरण में मेरा पक्ष सकारात्मकता की ओर है।

साथियों बात अगर हम आज के विषय आत्मविश्वास और अहंकार की करें तो इन दोनों शब्दों में ही पिटारे के गुण- अवगुण का मूल समाया हुआ है सबसे पहले हम चर्चा आत्मविश्वास की करेंगे कि हर व्यक्ति को यह पुष्प उसके जीवन की सफ़लता के हर पड़ाव पर अत्यंत जरूरी है उसे सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए आत्मविश्वास उसकी सफ़लता की पहली सीढ़ी है जिसके सहारे वह आगे बढ़ने में सक्षम होगा।

साथियों आत्मविश्वास मनुष्य के अंदर ही समाहित होता है। आपको इसे कहीं और अन्य जगह से लाने की जरूरत नहीं है। यह आपके अंदर ही है, बस जरूरत है अपने अंदर की आंतरिक शक्तियों को इकट्?ठा कर अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने की,वर्तमान समय में अगर हमें कुछ पाना है, किसी भी क्षेत्र में कुछ करके दिखाना है, जीवन को खुशी से जीना है, तो इन सबके लिए आत्मविश्वास का होना परम आवश्यक है। आत्मविश्वास में वह शक्ति है जिसके माध्यम से हम कुछ भी कर सकते है। आत्मविश्वास से हमारी संकल्प शक्ति बढ़ती है और संकल्प शक्ति से बढ़ती है हमारी आत्मिक शक्ति। साथियों बात अगर हम आत्मविश्वास के बल पर वैश्विक प्रसिद्ध महामानव द्वारा अपने विज़न की सफलताओं की करें तो, इसी आत्मविश्वास ने कोलंबस को अमेरिका की खोज़ में सहयोग दिया था। नेपोलियन ने इसी शक्ति से ओतप्रोत होकर अपने सेनापति से कहा था कि यदि आल्पस पर्वत हमारा मार्ग रोकता है तो वह नहीं रहेगा और सचमुच उस विशाल पर्वत को काटकर रास्ता बना लिया गया। महात्मा गांधी भी इस आत्मविश्वास के बल पर सत्य और अहिंसा के अस्त्र बनाकर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। अंततः वे भारत माता की दासता रूपी बेड़ी को काटने में सफल रहे। साथियों अब्राहम लिंकन ने अथक प्रयास कर दासों को मालिकों के शिकंजे से मुक्त कराया। उन्होंने अपनी डायरी में लिखा था कि मैंने अपने ईश्वर को वचन दिया है कि दासों की मुक्ति का कार्य अवश्य पूरा करूंगा। इमर्सन का कथन है- संसार के सारे युद्धों में इतने लोग नहीं हारते, जितने कि सिर्फ घबराहट से। इसलिए अपने ऊपर विश्वास रखकर ही आप दुनिया में बड़े से बड़ा काम सहज ही कर सकते हो और अपना जीवन सफल बना सकते हो।

कामिल बुल्के

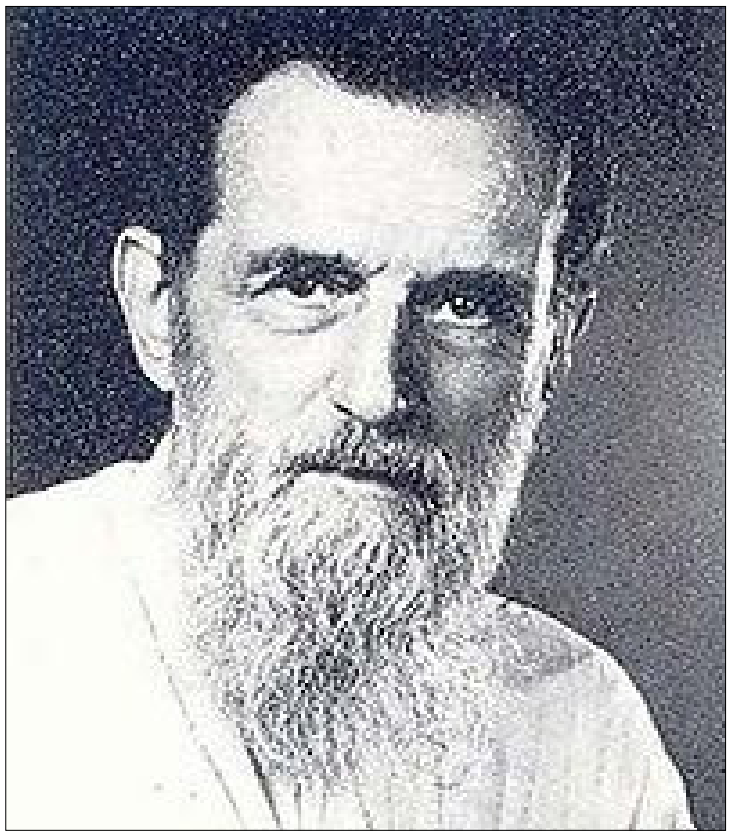

फ़ादर कामिल बुल्के बेल्जियम से भारत आकर मृत्युपर्यंत हिन्दी, तुलसीदास और वाल्मीकि के भक्त रहे। उन्हें साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा सन् 1974 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। फ़ादर कामिल बुल्के का जन्म 1 सितम्बर 1909 को बेल्जियम की फ्लैंडर्स स्टेट के रम्सकपैले गांव में हुआ था। यूवेन विश्वविद्यालय से अभियांत्रिकी की शिक्षा समाप्त करने के बाद वह 1935 में भारत आए। सबसे पहले उन्होंने भारत का भ्रमण किया और भारत को अच्छी प्रकार से समझा। कुछ समय के लिए वह दार्जिलिंग में भी रहे और उसके बाद राँची और उसके बाद झारखंड के गुमला ज़िले के इग्नासियस विद्यालय में गणित विषय का अध्यापन करने लगे। यहीं पर उन्होंने भारतीय भाषाएँ सीखनी प्रारम्भ कीं और उनके मन में हिन्दी भाषा सीखने की ललक पैदा हो गई, जिसके लिए वह बाद में प्रसिद्ध हुए।

उन्होंने लिखा है- मैं जब 1935 में भारत आया तो अचंभित और दुःखी हुआ। मैंने महसूस किया कि यहाँ पर बहुत से पढ़े-लिखे लोग भी अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूक नहीं हैं। यह भी देखा कि लोग अँगरेजी बोलकर गर्व का अनुभव करते हैं। तब मैंने निश्चय किया कि आम लोगों की इस भाषा में महारत हासिल करूँगा।

परिचय - फ़ादर कामिल बुल्के का जन्म 1 सितम्बर, 1909 को बेल्जियम के पश्चिमी फ्लैंडर्स स्टेट के रम्सकपैले नामक गाँव में हुआ था। उनके पास सिविल इंजीनियरिंग में बी.एस.सी डिग्री थी, जो उन्होंने लोवैन विश्वविद्यालय से प्राप्त की थी। 1934 में उन्होंने भारत का संक्षिप्त दौरा किया और कुछ समय दार्जीलिंग में रुके। उन्होंने गुमला (वर्तमान में झारखंड में) में 5 वर्षों तक गणित का अध्यापन किया। यहीं पर उनके मन में हिन्दी भाषा सीखने की ललक पैदा हो गई, जिसके लिए वे बाद में प्रसिद्ध हुए। उन्होंने लिखा है- मैं जब 1935 में भारत आया तो अचंभित और दुःखी हुआ। मैंने महसूस किया कि यहाँ पर बहुत से पढ़े-लिखे लोग भी अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूक नहीं हैं। यह भी देखा कि लोग अंग्रेज़ी बोलकर गर्व का अनुभव करते हैं। तब मैंने निश्चय किया कि आम लोगों की इस भाषा में महारत हासिल करूँगा।

नाम का अर्थ- कामिल शब्द के दो अर्थ माने जाते हैं। एक अर्थ है- वेदी-सेवक और दूसरा अर्थ है- एक पुष्प का नाम। फ़ादर कामिल बुल्के दोनों ही अर्थों को चरितार्थ करते थे। वे जेसुइट संघ में दीक्षित संन्यासी के रूप में वेदी-संन्यासी थे और एक व्यक्ति के रूप में महकते हुए पुष्प। ऐसे पुष्प, जिसकी उपस्थिति सभी के मनों को खुशबू से भर देती है। मलिक मुहम्मद जायसी ने पद्मावत में लिखा है- फूल मरै पर मरै न बासू। यह पंक्ति फ़ादर कामिल बुल्के पर पूरी तरह सटीक बैठती है।

हिन्दी ज्ञान- फ़ादर कामिल बुल्के ने पंडित बदरीदत्त शास्त्री से हिन्दी और संस्कृत की शिक्षा प्राप्त की और 1940 में विशारद की परीक्षा हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग से उत्तीर्ण की। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से संस्कृत में मास्टर्स डिग्री हासिल की (1942-1944) थी। कामिल बुल्के ने 1945-1949 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हिन्दी साहित्य में शोध किया, उनका शोध विषय था- रामकथा का विकास। 1949 में ही वह सेंट जेवियर्स कॉलेज, राँची में हिन्दी व संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष नियुक्त किए गए। सन 1951 में उन्होंने भारत की नागरिकता ग्रहण की। कामिल बुल्के सन 1950 में बिहार राष्ट्रभाषा परिषद की कार्यकारिणी के सदस्य चुने गए। वह सन 1972 से 1977 तक भारत सरकार की केन्द्रीय हिन्दी समिति के सदस्य रहे।

प्रेरणास्रोत डॉ. धीरेन्द्र वर्मा - कामिल बुल्के लंबे समय तक रांची के सेंट जेवियर्स कॉलेज में संस्कृत तथा हिन्दी के विभागाध्यक्ष रहे थे, लेकिन बाद में बहरेपन के कारण कॉलेज में पढ़ाने से अधिक उनकी रुचि गहन अध्ययन और स्वाध्याय में होती चली गई। बुल्के का अपने समय के हिन्दी भाषा के सभी चोटी के विद्वानों से संपर्क था। डॉ. धर्मवीर भारती, डॉ. जगदीश गुप्त, डॉ. रामस्वरूप, डॉ. रघुवंश, महादेवी वर्मा आदि से उनका विचार-विमर्श और संवाद होता रहता था। डॉ. धीरेन्द्र वर्मा को अपना प्रेरणा स्रोत मानते हुए वे अपनी आत्मकथा एक इसाई की आस्था, हिंदी-प्रेम और तुलसी-भक्ति 2 में लिखते हैं- सन 1945 में डॉ. धीरेन्द्र वर्मा की प्रेरणा से मैंने एम.ए. के बाद इलाहाबाद से डॉ. माता प्रसाद के निरीक्षण में शोध कार्य किया। इलाहाबाद के प्रवास को वे अपने जीवन का 'द्वितीय बसंत' कहते थे। महादेवी वर्मा को वे 'दीदी' और इलाहाबाद के लोगों को वे 'मायके वाले' कहते थे। बुल्के जी अपने समय के प्रति सजग एवं सचेत थे। भारत और भारतीयता (भारत की स्वस्थ परंपराओं) के अनन्य भक्त कामिल बुल्के, बौद्धिक और आध्यात्मिक होने के साथ-साथ ईसा के परम भक्त थे। साथ ही गोस्वामी तुलसीदास की रामभक्ति के सात्विक और आध्यात्मिक आयाम के प्रति उनके मन में बहुत आदर था।

उनका कहना था- जब मैं अपने जीवन पर विचार करता हूं, तो मुझे लगता है ईसा, हिन्दी और तुलसीदास- ये वास्तव में मेरी साधना के तीन प्रमुख घटक हैं और मेरे लिए इन तीन तत्वों में कोई विरोध नहीं है, बल्कि गहरा संबंध हैज जहां तक विद्या तथा आस्था के पारस्परिक संबंध का प्रश्न है, तो मैं उन तीनों में कोई विरोध नहीं पाता। मैं तो समझता हूं कि भौतिकतावाद, मानव जीवन की समस्या का हल करने में असमर्थ है। मैं यह भी मानता हूं कि 'धार्मिक विश्वास' तर्क-वितर्क का विषय नहीं है।

कामिल बुल्के और रामचरितमानस- धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन के लिए बुल्के के पास दर्शन का ज्ञान था। वह भारतीय दर्शन और साहित्य का व्यवस्थित रूप से अध्ययन करना चाहते थे। उन्होंने तुलसीदास के ग्रंथ रामचरित मानस को पढ़ा। वह रामचरित मानस से वह बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने रामचरित मानस का गहन अध्ययन किया। रामचरित मानस में उन्हें नैतिकता और व्यावहारिकता का आकर्षक समन्वय मिला। अत- उन्होंने अपने शोध का विषय रामकथा- उत्पत्ति और विकास चुना। इस विषय पर उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उनका यह कार्य भारत के साथ ही विश्व में प्रकाशित हुआ और इसके बाद पूरा विश्व बुल्के को जानने लगा।

उपलब्धि- बुल्के के द्वारा प्रस्तुत शोध की विशेषता थी कि यह मूलतः हिन्दी में प्रस्तुत किया गया पहला शोध प्रबंध है। फ़ादर बुल्के जिस समय इलाहाबाद में शोध कर रहे थे, उस समय सभी विषयों में शोध प्रबंध केवल अंग्रेज़ी भाषा में ही प्रस्तुत किए जाते थे। फ़ादर बुल्के ने आग्रह किया कि उन्हें हिन्दी में शोध प्रबंध प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए। इसके लिए शोध संबंधी नियमावली में परिवर्तन किया गया।

भाषा ज्ञान- बुल्के बहु-भाषाविद् थे। वह अपनी मातृभाषा फ्लेमिश के अतिरिक्त अंग्रेज़ी, फ्रेंच, जर्मन, लैटिन, ग्रीक, संस्कृत और हिन्दी पर भी संपूर्ण अधिकार रखते थे।

भारत की नागरिकता- 1951 में भारत सरकार ने फ़ादर बुल्के को बड़े ही आदर के साथ भारत की नागरिकता प्रदान की। वह हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में प्रचारित करने वाली समिति के सदस्य बने। भारत के नागरिक बनने के बाद वह स्वयं को बिहारी कहकर बुलाते थे। हिन्दी साहित्यानुरागी

गजेंद्र नारायण सिंह जो कि फ़ादर कामिल बुल्के के छात्र रहे, वे बताते हैं कि- मैं संत जेवियर्स कॉलेज में दाखिल हुआ था तो एक दिन समय निकालकर फ़ादर बुल्के से मिलने गया। उनके कमरे के बंद दरवाज़े पर दस्तक लगाते हुए मैंने कहा- में आई कम इन फ़ादर। मेरे इतना कहते ही दरवाज़ा खुला और एक अत्यंत ही शांत, सौम्य, साधु पुरुष गर्दन पर भागलपुरी सिल्क की चादर लपेटे हुए खड़ा था। उन्होंने धीरे से गम्भीर स्वर में कहा- अभी दरवाज़े पर दस्तक लगाते हुए आपने किसी भाषा का व्यवहार किया? क्या आपकी अपनी कोई बोली या भाषा नहीं है? आप स्वतंत्र राष्ट्र के नागरिक हैं, फिर भी विदेशी आंग्ल भाषा का व्यवहार हिन्दी के एक प्राध्यापक के पास क्यों कर रहे हैं? आपकी मातृभाषा क्या है? प्रश्नों की झड़ी लगा दी उन्होंने। मैं अवाक स्तम्भ खड़ा रहा। उन्होंने मुझसे पूछा कि- आपकी मातृभाषा क्या है? मेरे द्वारा बताये जाने पर कि मैथली है, तो उन्होंने मुझसे निर्विकार भाव से कहा- आइंदा जब आप मेरे पास आएं तो मैथली या हिन्दी मैं ही बात करेंगे।

अब 1 के बदले 20 शेयर बांट रही कंपनी; स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर एक साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। औद्योगिक उत्पादों के निर्माण में लगी एक कंपनी ने हाल ही में अपने शेयरधारकों के लिए दो कॉर्पोरेट कार्रवाइयों की घोषणा की है। कंपनी ने स्टॉक विभाजन और निवेशकों के लिए बोनस इश्यू की घोषणा की है। यह पहली बार है जब कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर जारी करने का ऐलान किया है। इससे निवेशकों को जबर फायदा होने वाला है।

गौरतलब है कि कंपनी ने दोनों कॉर्पोरेट विकासों के लिए रिकॉर्ड तिथियों की पुष्टि कर दी है। रिकॉर्ड तिथि वह समय होता है जब कोई कंपनी लाभांश, स्टॉक विभाजन या बोनस इश्यू के लिए पात्र शेयरधारकों की पहचान करती है। इस कंपनी ने बीते 6 महीने में 100 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिा है। यानी एक लाख को दो लाख और एक करोड़ को दो करोड़ बनाया है।

कौन सी है ये कंपनी जो एक साथ दे रही स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर- हम जिस कंपनी की बात कर रहे हैं उसका नाम बेमको हाइड्रोलिक्स लिमिटेड। इसने अपने शेयरधारकों को मालामाल करने के लिए एक साथ दो निर्णय लिए हैं। पहला स्टॉक को स्प्लिट करने का और दूसरा बोनस शेयर जारी करने का। 14 अगस्त, 2025 तक इसका मार्केट कैप 619.54 करोड़ रुपये था।

10 रुपये की फेस वैल्यू वाला यह शेयर 10 हिस्सों में टूट जाएगा, जिससे इसके फेस वैल्यू 1 रुपये हो जाएगी। वहीं, कंपनी एक शेयर पर एक बोनस शेयर जारी करेगी। यानी पहले स्टॉक 10 हिस्सों में स्प्लिट होगा फिर बोनस जारी होगा। ऐसे में एक स्टॉक के 20 हिस्से हो जाएंगे।

है रिकॉर्ड डेट- Bemco Hydraulics Ltd के बोनस और स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट 22 अगस्त निर्धारित है। अगर आपने 22 अगस्त से पहले इसके शेयर खरीद लिए तो आपको जबर फायदा होगा। अगर आपके पास इसके शेयर हैं तो आपको फायदा लेने के लिए इसे 22 अगस्त तक रखना होगा

मल्टीबैगर साबित हुआ शेयर- Bemco Hydraulics Ltd का शेयर एक तरह से मल्टीबैगर साबित हुआ है। पिछले पांच सालों में इसने 4,365.25 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं, 6 महीनों की बात करें तो 6 महीने में इसने 125.62 फीसदी का रिटर्न दिया है।

FD और RD में कैसे होता है कैलकुलेशन, पांच साल बाद कहां मिलता है ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंक में बचत करने वालों के लिए दो सबसे लोकप्रिय विकल्प हैं- फिक्स्ड डिपॉजिट और रेकरिंग डिपॉजिट। एफडी में एकमुश्त रकम बैंक में डाल दी जाती है, जबकि आरडी में हर महीने छोटी-छोटी किस्तों में जमा किया जाता है।

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि दोनों में ब्याज दर तो लगभग बराबर होती है, तो रिटर्न भी बराबर होगा, लेकिन असलियत कुछ और है। तो चलिए पांच सवालों में पूरा कैलकुलेशन समझते हैं। FD में आप एक साथ एकमुश्त रकम बैंक में डालते हैं, और उस पर तय समय तक ब्याज मिलता है। जबकि RD में हर महीने एक तय रकम जमा करते हैं। जैसे EMI, और हर किस्त पर अलग-अलग समय के हिसाब से ब्याज मिलता है।

ब्याज का कैलकुलेशन कैसे होता है - FD में ब्याज पूरी रकम पर पूरे समय तक लगता है, इसलिए कमाई ज्यादा होती है। RD में हर किस्त अलग-अलग तारीख से ब्याज कमाना शुरू करती है, जिससे कुल ब्याज थोड़ा कम आता है।

मान लीजिए, सालाना ब्याज दर 7 प्रतिशत है। और आप स्नष्ठ में एक लाख रुपए 5 साल के लिए रखते हैं तो आपको करीब 1,40,255 रुपए मिलेंगे। जबकि RD में हर महीने 1,666 रुपए (कुल 1 लाख) 5 साल तक जमा करने पर लगभग 1,19,500 रुपए बनेंगे। यानी स्नष्ठ में करीब 20,700 रुपए ज्यादा फायदा।

नई टैक्स रिजीम के तहत ELSS फंड में निवेश करना फायदेमंद है या नहीं? लॉक-इन समेत और क्या-क्या हैं नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ सालों में इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम की तरफ निवेशकों का रुझान काफी बढ़ा है। इसी बढ़ती लोकप्रियता के चलते, लोग अब श्वस्र्स फंड्स के फायदे और नुकसान भी जानना चाहते हैं। 3 साल की लॉक-इन अवधि के जैसी कमी के अलावा श्वस्र्स फंड्स में ज्यादा खामियां नहीं होतीं। पर श्वस्र्स के फायदे कई हैं। आइए जानते हैं इसके क्या लाभ और नुकसान हैं।

कम्पाउंडिंग रिटर्न का फायदा- आमतौर पर इक्विटी फंड्स में 5-10 वर्षों की लंबी अवधि के लिए निवेश करने की सलाह दी जाती है। ईएलएसएस फंड, 3 साल की लॉक-इन अवधि के चलते, एक अनुशासित लॉन्ग टर्म निवेश ऑप्शन है। इस प्रोसेस में, यह निवेशकों को लंबी अवधि में कम्पाउंडिंग रिटर्न की शक्ति का फायदा उठाने में मदद करता है।

3 सालों के बाद रिडम्पशन जरूरी नहीं

यदि निवेशक ईएलएसएस फंड से मिले रिटर्न से संतुष्ट हैं, तो वे इसे जारी रख सकते हैं। 3 वर्षों की अवधि के बाद रिडम्पशन जरूरी नहीं है। यह केवल न्यूनतम निवेश अवधि है। हालाँकि, कोई अधिकतम निवेश अवधि नहीं है।

हाई रिटर्न- ईएलएसएस फंड इक्विटी योजनाओं में निवेश करते हैं। इसलिए इनका रिटर्न अधिक (10-12त्न) होता है। ईएलएसएस औसतन 10-12त्न के बीच रिटर्न देते हैं। यह 5 साल की अवधि में पीपीएफ और एफडी जैसे सेफ विकल्पों की तुलना में सबसे अधिक है।

ईएलएसएस में निवेश करते समय, निवेशक एसआईपी विकल्प चुन सकते हैं। यह निवेशक को लगातार एक तय अंतराल पर निश्चित राशि निवेश करने की सुविधा देता है। यह सैलरी क्लास के लोगों को अपनी बचत से समय-समय पर, आमतौर पर हर महीने, एक तय राशि निवेश करने की सुविधा देता है।

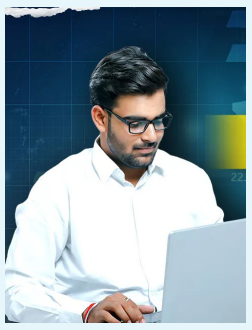

सरकारी कर्मचारियों को 2028 तक करना पड़ सकता है इंतजार, 7वें वेतन आयोग में लगे थे इतने साल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 8 वें वेतन आयोग के गठन की घोषणा के बाद से लगभग सात महीने हो चुके हैं। लेकिन अभी तक सरकार की ओर से इसके कार्यान्वयन को लेकर कोई भी कदम नहीं उठाया गया है। लाखों कर्मचारी और पेंशनर्स इस बात को लेकर परेशान हैं कि आखिर यह आयोग कब लागू होगा। एक सवाल यह उठता है कि आखिर कर्मचारियों को सैलरी में इजाफे के लिए और कितना इंतजार करना पड़ेगा। सरकार ने इस साल जनवरी में घोषित 8वें वेतन आयोग को अंतिम रूप नहीं दिया है, जो वेतन और अन्य पहलुओं को संशोधित करने का आधार बनेगा। सात महीने बीत जाने के बाद भी सदस्यों और अध्यक्ष की नियुक्ति लंबित है। 8वें वेतन आयोग के गठन में हो रही देरी से सरकारी कर्मचारी बेचैन होते जा रहे हैं। उनकी यूनियनों और प्रतिनिधि निकायों ने केंद्र को पत्र लिखकर 8 वें वेतन आयोग के संदर्भ की शर्तों और संबंधित मामलों की प्रगति पर स्पष्टता के लिए कहा है।

इससे पहले इस संबंध में वित्त मंत्रालय ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि उसने मंत्रालयों, राज्यों और कर्मचारी समूहों सहित विभिन्न हितधारकों से इनपुट मांगा है। मंत्रालय ने कहा कि टीओआर को अंतिम रूप दिए जाने के बाद औपचारिक अधिसूचना जारी की जाएगी। जनवरी 2025 में इसकी घोषणा के बाद से सात महीने से अधिक समय बीत चुका है और संदर्भ की शर्तें (टीओआर) अभी भी लंबित हैं।

अमेरिकी जनता पर कहर बरपाएगा ट्रंप का टैरिफ, पड़ेगा सबसे अधिक असर; Goldman Sachs की रिपोर्ट में बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों से टैरिफ वसूलना शुरू कर चुके हैं। इसमें भारत भी शामिल है। बीते 8 अगस्त से वह भारत से 25 फीसदी का टैरिफ वसूल रहे हैं। वहीं उन्होंने भारत पर 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। यानी हिंदुस्तान पर कुल 50 फीसदी का टैरिफ लगा है। इस टैरिफ वार के बीच Goldman Sachs की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें यह दावा किया गया है कि इसका असर अमेरिकियों पर पड़ेगा रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी उपभोक्ताओं की टैरिफ संबंधी आशंकाएं जल्द ही सच साबित हो सकती हैं, क्योंकि व्यवसाय टैरिफ मूल्य का अधिक बोझ सीधे खरीदारों पर डालना शुरू कर देंगे।कोर पर्सनल कंज्यूमर एक्सपेंडिचर इंडेक्स – जो अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में मुद्रास्फीति की दर को मापता है, जिसमें खाद्य और ऊर्जा को शामिल नहीं किया जाता – जून में 2.8% पर था।

गोल्डमैन के विश्लेषकों ने रिपोर्ट में कहा कि दिसंबर में सीपीई साल-दर-साल बढ़कर 3.2त्न हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि टैरिफ से अतिरिक्त लागतों को हटाने पर, मुद्रास्फीति की दर 2.4त्न होती। विश्लेषकों ने कहा कि अब तक टैरिफ ने इस सूचकांक में 0.2त्न की वृद्धि की है और जुलाई में इसके 0.16त्न और 2025 के शेष भाग में 0.5त्न बढ़ने की उम्मीद है।

अमेरिका के इतने लोग होंगे प्रभावित- ब्लूमबर्ग के साथ साझा किए गए गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषण के अनुसार, जून तक टैरिफ लागत का लगभग 22त्न उपभोक्ताओं पर डाला जा चुका है। हालांकि, कंपनी ने कहा कि अगर टैरिफ पिछले वर्षों की तरह ही चलते रहे तो यह संख्या बढ़कर 67त्न हो जाएगी।

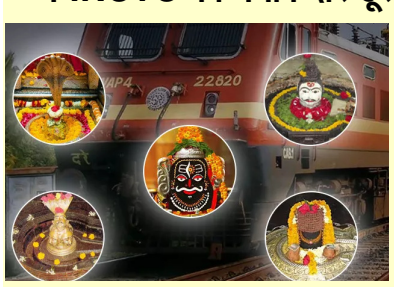

सिर्फ 9 दिन में 5 ज्योतिर्लिंग के दर्शन! इतने रुपये में IRCTC का धमाकेदार टूर पैकेज करें बुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आप मानसून सीजन में ज्योतिर्लिंग दर्शन करना चाहते हैं तो आपके के लिए खुशखबरी है। IRCTC ने 'पांच (05) ज्योतिर्लिंग दर्शन' टूर पैकेज की घोषणा की है, जिसमें श्रद्धालु एक ही यात्रा में महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, त्र्यंबकेश्वर, भीमाशंकर और घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकेंगे। यह यात्रा भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से 2AC, 3AC और स्लीपर क्लास में कराई जाएगी।

यात्रा की खास बातें- इस खास धार्मिक पर्यटन का समय 8 रात और 9 दिन का है। यह 16 अगस्त 2025 से शुरू होगी। यात्रा का रूट नागपुर से शुरू होकर उज्जैन (जहाँ महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर के दर्शन होंगे), नासिक (त्र्यंबकेश्वर), पुणे (भीमाशंकर) और औरंगाबाद (घृष्णेश्वर) तक तय है।

इस यात्रा के लिए कुल 630 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें स्लीपर क्लास की 228 सीटें, 3AC की 350 सीटें और 2AC की 52 सीटें शामिल हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

खिलौनों की तरह बह गईं कारें, एमपी की रूपा नदी में उफान... बड़वानी के राजपुर में घरों में घुसा पानी

बड़वानी। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में तेज बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। राजपुर और ओझर में रूपा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। नदी के उफान में चार वाहन बह गए, जबकि कई बस्तियां पानी में डूब गईं। हालांकि अब तक किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

राजपुर में पानी से घिरा नगर-शनिवार तड़के करीब सुबह 4 बजे तेज बारिश के कारण रूपा नदी उफान पर आ गई। पानी तटीय इलाकों में घुस गया, जिससे मकानों और दुकानों में बाढ़ जैसे हालात हो गए। नगर परिषद और पशु बाजार पूरी तरह जलमग्न दिखाई दिए। वार्ड क्रमांक 9 (कुम्हार मोहल्ला) में घरों में पानी घुस गया, जिसके कारण लोग अपनी जरूरी वस्तुएं और सामान सुरक्षित करने में जुटे रहे।

बिजली आपूर्ति बंद-तेज पानी के कारण लगभग 20 ट्रांसफार्मर डूब गए। सुरक्षा की दृष्टि से बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई है। बिजली विभाग के कर्मचारी हालात सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि आपूर्ति बहाल की जा सके।

ओझर और बालसमुंद भी प्रभावित-उधर, ओझर और बालसमुंद में भी पानी बस्तियों में घुस गया है। स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए है।

प्रदेश में पुलिस आरक्षकों के 22,500 पदों सहित ढाई लाख शासकीय पद भरे जाएंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित दो अलग-अलग कार्यक्रमों में कई बड़ी घोषणाएं कीं। लगातार तीन वर्ष में पुलिस आरक्षकों के रिक्त सभी 22,500 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए प्रति वर्ष 7500 पदों पर भर्ती पुलिस भर्ती बोर्ड के माध्यम से की जाएगी।

पुलिस, जेल और नगर सेना के बलिदानियों की पत्नी और बच्चों के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में एक सीट आरक्षित की जाएगी। मुख्यमंत्री आवास में पुलिसकर्मियों के पदक अलंकरण कार्यक्रम में उन्होंने ये घोषणाएं कीं। इस अवसर पर 65 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को पदक देकर सम्मानित भी किया गया। इसके पहले मोहन यादव ने लाल परेड मैदान में स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश के सभी शासकीय विभागों में एक लाख पदों पर भर्तियां की जा रही हैं।

आगामी पांच वर्ष में ढाई लाख भर्तियां करने का लक्ष्य है। साथ ही अगले चार वर्ष में राज्य का बजट उन्होंने दोगुना करने की बात कही। पुलिस, जेल और नगर सेना एवं सुरक्षा विभाग के त्वरित आधुनिकीकरण के लिए कोई कमी, ढिलाई नहीं की जाएगी।

पुलिसकर्मी परिवार को भी समय दें-मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अलंकरण कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों और उनके स्वजन से बातचीत भी की। उन्होंने कहा, अधिकारी-कर्मचारी अपनी सेवाओं के साथ अपने परिवार को भी समय दें।

काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रस्तुति देकर लौट रही गुजरात की संगीत मंडली की गाड़ी शिवपुरी में दुर्घटनाग्रस्त, 4 की मौत

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में शनिवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। गुजरात की संगीत मंडली (म्यूजिकल ग्रुप) से भरी ट्रेवलर काशी विश्वनाथ मंदिर से प्रस्तुति देकर लौट रही थी, तभी उदायला तिराहे के पास ट्रक से टकरा गई। हादसे में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। सभी घायलों का उपचार शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, गुजरात से करीब 17 लोगों का दल काशी विश्वनाथ मंदिर में शिवकथा की प्रस्तुति देने गया था। शुक्रवार को कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मंडली ट्रेवलर से गुजरात लौट रही थी। सभी सदस्य बेहद थके हुए थे और अधिकांश लोग यात्रा के दौरान सो रहे थे।हादसा कैसे हुआ?

शनिवार सुबह करीब 6-30 बजे ट्रेवलर जब उदायला तिराहे (सुरवाया थाना क्षेत्र) से गुजर रही थी, तभी वह बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और दूसरी लेन में पहुंच गई। उसी समय सामने से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक सीधे ट्रेवलर के ड्राइवर साइड से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई।मृतकों की पहचान

इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान इस प्रकार हुई है- हार्दिक दवे (40 वर्ष), राजा ठाकुर (28 वर्ष), अंकित ठाकुर (22 वर्ष), राजपाल सोलंकी (60 वर्ष)। सभी मृतक कढ़ी, गुजरात के निवासी बताए जा रहे हैं।

हादसे में मंडली के 13 अन्य सदस्य भी घायल हुए हैं, जिनमें हर्षद गोस्वामी, चेतन कुमार, नरेंद्र नायक, मोहित, आशीष व्यास, मोहलिक, ऋषिकेश, विपुल, अरविंद और अर्जुन शामिल हैं। सभी को शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। ट्रेवलर और ट्रक की भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि घायलों को वाहन से निकालने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लंदन से आए NRI परिवार पर भिंड में पुलिस आरक्षक ने करवाया हमला, एसपी ने किया लाइन अटैच

भिंड। गोहद चौराहा थाना अंतर्गत स्टेशन रोड पर गुरुवार को लंदन से आए एनआरआई दंपती और उनके परिवार पर उस समय हमला हो गया, जब वे अपनी कार से ससुराल की ओर जा रहे थे। बदमाशों ने चलती गाड़ी पर डंडों से हमला कर दिया, जिससे बेटे रोहनप्रीत सिंह के चेहरे और बेटी रवनीत कौर के हाथ में चोट आई। घटना का वीडियो शुक्रवार को सामने आते ही सिख समाज में आक्रोश है। घटना का वीडियो शुक्रवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

जानकारी के अनुसार एनआरआई डॉ. विक्रमजीत सिंह अपनी पत्नी राजवीर कौर, बेटी रवनीत और बेटे रोहनप्रीत के साथ लंदन से लौटकर गोहद के जसवंतपुरा गांव ससुराल जा रहे थे। बताया जाता है कि वह ढाई साल बाद परिवार के साथ यहां आए थे। रास्ते में स्टेशन रोड पर फल खरीदने के लिए कार रोकी गई, तभी वहां मौजूद गोहद चौराहा थाने का आरक्षक कुलदीप कुशवाहा सिविल ड्रेस में पहुंचा। आरोप है कि उसने कार हटाने को लेकर अभद्रता की और गाड़ी का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इस पर डॉ. विक्रमजीत ने विरोध करते हुए उसकी पहचान और आईडी पूछी तो मामला बिगड़ गया। स्वजनों का कहना है कि आरक्षक ने फोन कर बदमाशों को बुलाया और धमकी दी कि हथियार लेकर आओ।

चलती कार पर डंडों से वार-विक्रमजीत सिंह के अनुसार, वे डर के चलते परिवार को कार में बैठाकर वहां से निकल गए। रास्ते में जसवंतपुरा की ओर बढ़ते समय एक ढाबे के पास कुछ लोग पहले से खड़े मिले। उन्होंने गाड़ी रोकने की कोशिश की और न रुकने पर चलती कार पर डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में कार के शीशे टूट गए और परिवार के सदस्य घायल हो गए।

शिकायत पर सिख समाज का आक्रोश घटना के बाद एनआरआइ परिवार थाने पहुंचा और शिकायत की। आरोप है कि थाना प्रभारी ने मामला दबाने की कोशिश की और उल्टा कहा कि ÷तुम्हें आरक्षक पर कार चढ़ा देनी चाहिए थी।÷ इससे गुस्साए पीड़ित ने साफ कहा कि कार में डिजिटल कैमरे लगे हैं और पूरी घटना रिकार्ड हुई है। शिकायत इंडियन एम्बेसी तक पहुंची, जिसके बाद मामला गंभीर हो गया।

मीसाबंदी ने मंत्री से सम्मान लेने से किया इनकार, बोले- रिश्वत नहीं देने पर रजिस्ट्री नहीं हुई, मुझे न्याय चाहिए

दमोह। दमोह शहर के तहसील मैदान में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार से दमोह के मीसाबंदी संतोष भारती ने सम्मान लेने से मना कर दिया और वह वापस चले गए। मंत्री के साथ मौजूद दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर ने भी भारती को काफी मनाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने। भारती ने मंत्री परमार को एक आवेदन दिया और अपना गुस्सा भी जाहिर किया और बगैर सम्मान कराए वहां से चले गए।

इस मामले में जब मंत्री से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता उन्होंने ऐसा क्यों किया और उसके बाद चुप्पी साध ली। संतोष भारती से सम्मान न करवाने का कारण पूछा तो उन्होंने कहा वह सम्मान के नहीं न्याय के भूखे हैं। मैने किसी मंच पर कभी सम्मान नहीं लिया

मीसाबंदी संतोष भारती ने कहा कि मैं वहां सम्मान लेने के लिए नहीं गया था। मैंने कभी किसी मंच पर जाकर सम्मान नहीं लिया। आज मेरे जाने का मकसद ज्ञापन देने जाना था, न्याय पाने गया था। मैं देश का पहला इकलौता ऐसा व्यक्ति हूं जो तीन बार मीसाबंदी रहकर जेल गया। 40 साल पहले मैंने हाउसिंग बोर्ड से जमीन खरीदी थी। मैंने 5 हजार की रिश्वत अधिकारी को नहीं दी तो आज तक उसकी रजिस्ट्री हाउसिंग बोर्ड नहीं कर रहा। मैं मध्य प्रदेश शासन से और हाई कोर्ट से केस जीता उसके बाद भी मेरी रजिस्ट्री नहीं हो रही। पहले कांग्रेस का शासन था तो लोग शासन बदलने की बात करते थे। अब 25 साल से भाजपा की सरकार है, लेकिन मुझे आज भी न्याय नहीं मिल रहा है।

मैंने मंत्री को ज्ञापन दियाउन्होंने कहा कि मैं सम्मान का भूखा नहीं हूं राजनीति कोई धंधा नहीं है। हमारे क्षेत्र में रोजगार, शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य की व्यवस्थाएं होनी चाहिए नहीं तो यह सम्मान का मतलब पाखंड है। हम मूल्यों की राजनीति करते हैं। मंत्री की चुप्पी पर भारती ने कहा कि मैंने उनसे बात की थी और मैंने उन्हें ज्ञापन दिया।

इंदौर जिले में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के चलते जोश, जुनून, अपार उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ उत्सवी माहौल में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मुख्य समारोह में कलेक्टर आशीष सिंह ने किया ध्वजारोहण

इंदौर। इंदौर जिले में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के चलते स्वतंत्रता दिवस आज देशभक्ति के जज्बे, जोश और जुनून के साथ उत्सवी माहौल में मनाया गया। इंदौर में चहुंओर अपार उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास दिखाई दिया। पूरा इंदौर तिरंगामय रहा। इंदौर के महेश गार्ड लाइन स्थित सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के मैदान में पूर्ण गरिमा और हर्षोल्लास के साथ आयोजित मुख्य समारोह में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में राष्ट्रीय धुन और राष्ट्रभक्ति के गीतों के बीच जवानों ने आकर्षक परेड प्रस्तुत की। स्वतंत्रता दिवस के इस राष्ट्रीय महापर्व पर जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं में भी ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में पहली बार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का एलईडी स्क्रीन पर प्रसारण किया गया।

खुली जीप से किया परेड का निरीक्षण- मुख्य समारोह में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया। समारोह में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह में सशस्त्र बलों ने स्वतंत्रता दिवस अमर रहे के नारों के बीच हर्ष फायर किये। खुले आकाश में रंगीन गुब्बारे छोड़े गये।

17 दलों ने प्रस्तुत की आकर्षक परेड- मुख्य समारोह में विभिन्न विभागों के 17 दलों ने परेड में हिस्सा लिया। इनमें सीमा सुरक्षा बल, आरएपीटीसी, प्रथम वाहिनी, 15वीं वाहिनी, जिला पुलिस बल(पुरूष), जिला पुलिस बल (महिला), नगर सेना, यातायात पुलिस, स्काउट, गाईड, रेडक्रॉस, आरआई रूप, एसपीसी, सृजन दल, शौर्या दल प्रमुख रूप से रहे। परेड का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक आरएपीटीसी नीति दंडोतिया ने किया। उनका अनुकरण टूआईसी सूबेदार सोनाली वास्कले ने किया। समारोह में प्रथम वाहिनी और बीएसएफ का बैंड भी आकर्षण का केन्द्र रहा।

बच्चों ने दी देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां- समारोह में देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम के दौरान गरिमा विद्या मंदिर, शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर, शासकीय सांदीपनि अहिल्या आश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 और उमिया पाटीदार कन्या विद्यालय के विद्यार्थियों ने देश भक्ति तथा लोकगीतों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

पुरस्कार- परेड में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले दलों को भी पुरस्कृत किया गया। परेड के अ वर्ग में प्रथम स्थान बीएसएफ और द्वितीय स्थान आरएपीटीसी को दिया गया। ब वर्ग में प्रथम स्थान गाईड को और द्वितीय स्थान रेडक्रास के प्लाटून को प्राप्त हुआ।

इंदौर के चार मेडिकल स्टोर्स को किया गया सील

इंदौर। इंदौर फार्मेसी अधिनियम 1948 के प्रावधानों, फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 के अध्याय 7 व 8 तथा मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल की सार्वजनिक सूचना के उल्लंघन पाये जाने पर जिला प्रशासन के अमले ने बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत चार मेडिकल स्टोर्स को सील किया गया है। एडीएम श्री रोशन राय के निर्देशन में आज समस्त औषधि निरीक्षकों द्वारा दुकानों का निरीक्षण कराया गया। इसमें फार्मेसी अधिनियम 1948 के प्रावधानों एवं फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 के अध्याय 7 व 8 के उल्लंघन किया जाना पाये जाने पर तत्काल हेल्थ केयर फार्मेसी मेघदूत स्क्वायर, अतुल्य मेडिफार्मा विजय नगर, मेडिमार्ट मेडिकल एजेन्सी स्कीम नं. 54, यशोदा फार्मोनिक्स विजय नगर को सील किया गया। उल्लेखनीय है कि इंदौर रिटेल केमिस्ट ट्रेड आर्गेनाईजेशन द्वारा कलेक्टर श्री आशीष सिंह को अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में दवाओं की वैधता, गुणवत्ता और सुरक्षा की जांच नहीं होने एवं डाक्टरों द्वारा स्वयं बिना लायसेंस के दवाएं बेचे जाने एवं दवाईयों को खरीदने हेतु आकर्षित करने के लिए डिस्काउंट बोर्ड लगाने तथा मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल द्वारा सार्वजनिक सूचना 25 जुलाई 2025 के उल्लंघन किये जाने की शिकायत की गई थी। उक्त परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जांच करायी गई। जांच में यह पाया गया कि कतिपय मेडीकल स्टोर संचालकों द्वारा उपभोक्ताओं/मरीजों को उनसे दवाईयां खरीदने के लिए आकर्षित करने हेतु अपने संस्थान के परिसर में डिस्काउंट का बोर्ड लगाने तथा दवाइयों की खरीद पर छूट व रियायतें देने संबंधी मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल की सार्वजनिक सूचना का उल्लंघन पाये जाने पर सतत कार्यवाही के निर्देश भी दिये गये है।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी इंदौर की बड़ी कार्यवाही

इंदौर। इंदौर में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इस कार्यवाही में विगत तीन दिवस में बड़ी मात्रा में अवैध विदेशी मदिरा जप्त की गई। सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार विगत 12 जुलाई को आबकारी कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी व डिप्टी कन्ट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाही लगातार जारी है। आबकारी विभाग के निरीक्षण के दौरान आबकारी उपनिरीक्षक श्रीमती जया मुजाल्दे के नेतृत्व में वृत आंतरिक दो की टीम द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्यवाही में बिजलपुर स्थित बलाई मोहल्ला में आरोपी कमल पिता गणपत मालवीय के रिहायशी मकान व किराना दुकान पर दबिश देकर मकान में प्लास्टिक के बोरे में छिपा कर रखी 184 पाव देशी मदिरा प्लेन, 24 बॉटल बोल्ट कैन बियर एवं 40 पाव देशी मदिरा मसाला को जप्त किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार दिखाया गया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्वतंत्रता दिवस संदेश का प्रसारण

इंदौर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित मुख्य समारोह में यह पहला अवसर था जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्वतंत्रता दिवस संदेश का सीधा प्रसारण दिखाया गया। इसके लिये मुख्य कार्यक्रम स्थल आरएपीटीसी ग्राउण्ड महेश गार्ड लाईन में विशाल एलईडी पर्याप्त संख्या में लगायी गई थी। उपस्थितों ने पूरी तन्मयता के साथ मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को देखा और सुना।

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन के पश्चात कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले की विकास यात्रा के संबंध में जानकारी दी और नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आनंद और उमंग के इस अवसर पर अभी हमने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संबोधन सुना। प्रदेश की प्रगति और जन-कल्याण पर मुख्यमंत्री जी की दूरदर्शिता और ओजस्वी वक्तव्य ने निश्चित ही हम सब में उल्लास का संचार कर दिया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के विजन को लेकर मुख्यमंत्री जी ने आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश का जो रोड मैप बनाया है, उससे निश्चित ही प्रदेश प्रगति का नया अध्याय लिखेगा।

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में विकसित मध्यप्रदेश का लक्ष्य साकार करने के लिए विकसित जिले की संकल्पना और योजना के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारे जिले की अपनी क्षमताएं, आकांक्षाएं, अवसर और चुनौतियां हैं। यही हमारे जिले को विशेष बनाती हैं। विगत डेढ़ वर्ष में इंदौर जिले की उपलब्धियाँ और नवाचार हमारी प्रगति की साक्षी हैं। स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नगर निगम इंदौर ने स्वच्छ भारत मिशन के सुपर स्वच्छता लीग में सिरमोर रहकर देश में प्रदेश का मान बढ़ाया है। इंदौर ने जन-भागीदारी का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए समर्पण और उत्कृष्ट कार्यशैली का मानक स्थापित किया है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों के कल्याण के लिये इंदौर जिले में पहली बार मिली बड़ी सौगात

इंदौर। इंदौर में आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों के कल्याण के लिये पहली बार एक साथ बड़ी सौगात मिली है। विनर्स अकादमी इंदौर द्वारा सैनिकों के सहायतार्थ 12 लाख रूपये से अधिक की सहयोग निधि दी गई है। यह राशि आज अकादमी के संस्थापक श्री आदित्य पटेल ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस निधि 2024-25 के अन्तर्गत सौंपी है। इस योगदान हेतु प्रदेश के राज्यपाल महोदय द्वारा अगले वर्ष मार्च-अप्रैल 2026 में राजभवन में आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह में श्री आदित्य पटेल को सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भी भेंट किया जायेगा।

इस सराहनीय योगदान के लिए जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (से.नि.) एवं पूर्व सैनिकों ने श्री आदित्य पटेल संस्थापक विनर्स अकादमी इंदौर का आभार व्यक्त किया है। पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों की सहायता के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने पर उनका आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय इंदौर में आयोजित समारोह में सम्मान भी किया गया। प्राप्त सहयोग राशि पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, सैनिकों की

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह और कलेक्टर आशीष सिंह पहुंचे शासकीय स्कूल के बच्चों के बीच

इंदौर। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह और कलेक्टर श्री आशीष सिंह आज स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में शामिल होने के पश्चात शासकीय स्कूल के बच्चों के बीच पहुंचे। उन्होंने बाणगंगा कुण्ड के सामने स्थित शासकीय सांदीपनि अहिल्या आश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पहुंचकर बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को बेग, कम्पास और अन्य पठन-पाठन सामग्री वितरित की। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, स्थानीय पार्षद सहित अन्य अधिकारी भी विशेष रूप से मौजूद थे। बच्चों को आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्यान्ह भोजन में विशेष रूप से खीर, पूरी, लड्डू, छोले, भिण्डी, की सब्जी, पुलाव आदि परोसे गए। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बच्चों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी।

इंदौर संभाग की पहल पर अब प्रदेश शासन द्वारा आयोजित होंगे शिविर

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर इंदौर संभाग में प्रारम्भ हुए संभागस्तरीय चिकित्सा जांच शिविरों को प्रदेश स्तर से सराहना मिल रही है। ऐसे शिविरों को इस वर्ष भी क्रियान्वित किया जाएगा। इसके लिए गुरुवार को सम्भागायुक्त श्री दीपक सिंह ने निजी अस्पताल प्रबंधन के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। जिसमें 23 अगस्त से पुनः प्रारम्भ हो रहे स्वास्थ्य जांच शिविरों की तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही गत वर्ष हुए शिविरों में परिलक्षित हुई कमियों को दूर करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं बढ़ाने पर जोर दिया गया। शिविरों की तैयारी के सम्बंध सम्भागायुक्त श्री सिंह ने कहा स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा शीघ्र ही विभाग को इस तरह के शिविर आयोजित किये जाने निर्देश जारी होने वाले है। इंदौर संभाग में प्रारम्भ हुए शिविरों की तरह की अब इसे राज्य शासन द्वारा प्रारम्भ करने की तैयारी की जा रही है। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. शॉजी जोसफ, क्षेत्रीय संयुक्त संचालक डॉ. पूर्णिमा गडरिया, मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हसानी, शासकीय नेत्ररोग चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. डी.के. शर्मा, आयुष विभाग की संयुक्त संचालक डॉ. मीना भायल, सेम्स के प्रबंधक श्री राजीव सिंह सहित विभिन्न शासकीय और अशासकीय के प्रबंधक एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे। संभागायुक्त श्री सिंह ने निजी अस्पताल प्रबंधन से अपेक्षा की है कि आगामी 23 अगस्त से 30 नवम्बर तक संभाग के सभी जिलों के सुदूर अंचलों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जायेंगे। इन स्वास्थ्य शिविरों में आधुनिक मशीनों से चिह्नित मरीजों की विभिन्न प्रकार की जांचे जैसे - डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, कैंसर, नेत्र रोग, दंत रोग आदि बीमारियों की जांच की जायेगी, उसके बाद उनका इलाज किया जायेगा। पिछले वर्ष सोनोग्राफी के लिए महिलाओं सहित अन्य जांच के लिए लंबी लाइन लग रही थी।

जिला चिकित्सालय इंदौर में हुई सीटी स्कैन सेवाओं की शुरुआत

इंदौर। इंदौर के जिला चिकित्सालय में आज से सीटी स्कैन सेवाओं की शुरूआत हो गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि सीटी स्कैन टीम द्वारा गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध सेवाएं प्रदान की जायेगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

जहां-जहां श्रीकृष्ण के चरण पड़े, उन स्थलों को विकसित कर रहे हैं तीर्थ के रूप में-मुख्यमंत्री

मंदिरों में आकर्षक श्रृंगार के लिए सरकार की ओर से दिए जाएंगे 15 पुरस्कार

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े हैं, वह हमारे लिए वंदनीय हैं। हमारी सरकार श्रीकृष्ण की चिरस्मृतियों से जुड़े सभी स्थानों एवं लीलास्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि राम वनगमन पथ की तरह हम श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए काम कर रहे हैं। इसके अंतर्गत उज्जैन के सांदीपनि आश्रम, धार के जानापाव और अमझेरा को तीर्थ बनाया जाएगा। ये सभी स्थान गोकुल जितने ही पवित्र हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने कंस का वध करके तत्कालीन समय में प्रजातंत्र की स्थापना की। माखन से गोपाल कृष्ण और बलराम का विशेष लगाव था। गोकुल से यह माखन मथुरा न पहुंच पाए, इसलिए श्रीकृष्ण ने बाल्यकाल में ही अपने साथियों की टीम बनाई और गोकुल ले जाई जा रही माखन की मटकियों को फोड़ना प्रारंभ कर दिया। यह एक प्रकार से तत्कालीन अतिवादी ताकतों के खिलाफ खुले विद्रोह के समान था। योगीराज श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में विभिन्न लीलाओं के जरिए समाज के समक्ष जीवन का कर्मवादी ध्येय प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर्व, हलधर महोत्सव और लीलाधर प्रकटोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन्माष्टमी के भव्य समारोह में इस्कॉन मंदिर के पुजारी के मंत्रोच्चार के बीच बालगोपाल कृष्ण स्वरूप का जलाभिषेक, पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस्कॉन इंटरनेशनल संस्था की ओर से कार्यक्रम में शामिल हुए धर्मप्रेमी बंधुओं को भगवान श्रीकृष्ण (लड्डू गोपाल) की प्रतिमा, कृष्ण साहित्य एवं प्रसादी का वितरण किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने कौरव- पांडवों के बीच हुए भीषण युद्ध महाभारत में अर्जुन को गीता का उपदेश दिया और सदैव धर्म की रक्षा के लिए पांडवों के साथ खड़े रहे। श्रीकृष्ण ने द्वारकापुरी छोड़ते समय अपने पुत्र को सिंहासन पर नहीं बिठाया। वे अपने सिर पर सदैव मोरमुकुट धारण करते थे।

यादव समाज के चल समारोह में गूंजे भजन और जयकारे

ठहाका सम्मेलन परिवार का मंच बना धार्मिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक

उज्जैन। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर यादव अहीर समाज द्वारा भव्य चल समारोह निकाला गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन एवं यादव महासभा के अध्यक्ष नारायण यादव के नेतृत्व में निकली इस शोभायात्रा ने पूरे शहर को भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक एकता से सराबोर कर दिया।

चल समारोह का शुभारंभ प्रातः 10 बजे छोटा गोपाल मंदिर से हुआ। शोभायात्रा का मार्ग टॉवर चौक, चामुंडा माता चौराहा, देवास गेट, मालीपुरा, दौलतगंज, इंदौर गेट होते हुए हरिफाटक ब्रिज और हाट बाजार तक रहा। पूरे मार्ग पर समाजसेवी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं एवं व्यापारी संघों ने मंच बनाकर शोभायात्रा का स्वागत किया और पुष्पवर्षा की।

ठहाका सम्मेलन परिवार का मंच रहा आकर्षण का केंद्र-टॉवर चौक पर डॉ. महेन्द्र यादव और ठहाका सम्मेलन परिवार द्वारा बनाया गया भव्य मंच आकर्षण का मुख्य केंद्र बना। इसी मंच से यादव समाज के प्रमुख श्री नारायण यादव का 51 किलो की विशाल फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। समाज के वरिष्ठों को साफ़ा बांधकर सम्मानित किया गया तथा श्रद्धालुओं को पेड़े की प्रसादी भी वितरित की गई। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की पालकी का विधिवत पूजन-अर्चन भी किया गया। ठहाका सम्मेलन परिवार के मंच पर शहर के अनेक साहित्यकार और कवि मौजूद रहे। इनमें प्रमुख रूप से डॉ. महेन्द्र यादव, नरेन्द्र सिंह अकेला, अशोक भाटी, दिनेश दिग्गज, सुरेन्द्र सर्किट, कुमार संभव और रितिक यादव शामिल थे। यादव समाज के प्रमुख श्री नारायण यादव ने मंच से संबोधित करते हुए डॉ. महेन्द्र यादव सहित सभी साहित्यकारों और कवियों का आभार व्यक्त किया।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय चकरावदा में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

उज्जैन। शासकीय प्राथमिक विद्यालय चकरावदा में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच जीवन सिंह मारु थे। अध्यक्षता शहजाद खान ने की। विशेष अतिथि राजेंद्र जैन, जगदीश प्रजापत थे। सर्वप्रथम प्रभातफेरी निकाली गई। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर शिक्षिका उषा शर्मा, कमल पटेल, अजय जाधव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्रामीण जन मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आई डी ए उज्जैन का विशेष आयोजन

उज्जैन। 15 अगस्त 2025 की पूर्व संध्या पर सुसंस्कृत स्वास्थ्य सेवा समिति द्वारा देशभक्ति और जनसेवा की भावना को समर्पित इंडियन डेंटल एसोसिएशन एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन उज्जैन शाखा का एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज मोहन का सम्मान डॉ. इमित सलूजा (अध्यक्ष, आईडीए) द्वारा किया गया। इस अवसर पर आईडीए उज्जैन शाखा से डॉ. नितिन जैन, डॉ. अंकित बाबर, डॉ. संजय जोशी, डॉ. सागर मारोठिया, डॉ. तुषार बंसल, डॉ. सिद्धार्थ नायक, डॉ. आदित्य सिंह गौड़ एवं डॉ. प्रियंका बघेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने सामुदायिक स्वास्थ्य और राष्ट्रीय प्रगति के प्रति सभी को प्रेरित किया।

जीवनदीप परिवार का आज़ादी महोत्सव- राष्ट्रप्रेम और स्वास्थ्य का संदेश

उज्जैन। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर, जीवनदीप परिवार ने अपने खाराकुआं स्थित फिजियोथेरेपी सेंटर पर जीवनदीप आज़ादी महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रप्रेम और समाजसेवा की भावना के साथ-साथ, स्वास्थ्य और धर्म का भी अद्भुत संगम देखने को मिला।

समारोह का मुख्य आकर्षण प.पु. स्वाध्याय प्रेमी आचार्य श्री जगच्चंद्र सू.जी.म.सा. का पदार्पण और आशीर्वाद था।

झंडावंदन के पूर्व महाराज साहब ने अपने प्रेरणादायक आशीर्वचन में धर्म और स्वस्थ काया के गहरे संबंध पर प्रकाश डालते हुए समझाया कि धार्मिक जीवन शैली अपनाकर कैसे एक स्वस्थ शरीर प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने विशेष रूप से आयुर्वेद के महत्व पर जोर दिया, यह बताते हुए कि प्राचीन काल में यह चिकित्सा पद्धति अन्य पद्धतियों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी और व्यापक थी। उनका संदेश था कि हमें अपनी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की ओर लौटना चाहिए।

आशीर्वचन के बाद शहर के प्रतिष्ठित अतिथियों, श्री रतनलालजी विनय कुमार जी छाजेड़, श्री भेरुलालजी नेमीचंद जी सुवासरा वाला, श्री प्रवीणजी वोरा और श्री सुनीलजी गादिया द्वारा ध्वजारोहण किया गया। सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया और देश की एकता व अखंडता का संकल्प लिया।

झंडावंदन के बाद, जीवनदीप परिवार ने श्री सोहनलालजी जैन, नमकमंडी को सम्मानित किया जिन्होंने संस्था की प्रेरणा से देहदान का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान स्व. श्री चेनराज जी की पुण्य स्मृति में श्री विनोद जी पगारिया सुरजनगर द्वारा संस्था को व्हीलचेयर भेंट की गई।

साथ ही, समाज के कल्याण के लिए योगदान देने वाले सभी दानदाताओं का भी आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में लड्डू की प्रभावना श्री लालचन्द जी दीपेश जी, हर्षजी, कु. निशिता जी रांका परिवार द्वारा की गई।

इस सफल आयोजन के लिए जीवनदीप परिवार, जीवनदीप महिलाविंग और संस्था युवा उज्जैन ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

देशभक्ति रंगों में रंगा सरस्वती विद्या मंदिर, गूँजे वंदे मातरम् के स्वर

उज्जैन। 15 अगस्त 2025 को सरस्वती विद्या मंदिर उ.मा. विद्यालय (संस्कृति भवन) ऋषिनगर में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में कपिल राठौर 2005 बैच (पूर्व छात्र) प्रधान आरक्षक नीलगंगा थाना, अनुराग जैन पूर्व छात्र समिति सचिव (सह सचिव विद्या भारती मालवा प्रांत) रहे। विशिष्ट अतिथि जवाहर चौधरी उपाध्यक्ष काटजू नगर सरस्वती विद्या समिति रतलाम, राजेंद्र प्रकाश गुप्त समिति अध्यक्ष, भगवान सिंह ठाकुर प्राचार्य सरस्वती विद्या मंदिर संस्कृति भवन ऋषि नगर, एकता इंगले प्राचार्य सरस्वती महाविद्यालय ऋषि नगर, समिति सदस्य अशोक गुप्ता, कैलाश नारायण शर्मा व साथ ही समस्त आचार्य परिवार व विद्यालय के भैया बहन उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में सर्वप्रथम ध्वज प्रणाम कर अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान कर एनसीसी के कैडेट के द्वारा घोष बजाकर परेड निकाली गई। मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना की गई, प्राचार्य द्वारा अतिथि का परिचय, अतिथि स्वागत गीत के साथ (भैया बहनों द्वारा) किया गया। कार्यक्रम में डंबल, व्यक्तिगत गीत, बॉल ड्रिल, भाषण, कृष्ण की चेतावनी, पहलगाम आतंकी हमले पर सामूहिक नाट्य जैसी भावी प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का उद्बोधन हुआ इसके उपरांत अंतिम कड़ी में ज्योत्सना पचोरिया दीदी द्वारा अतिथियों का धन्यवाद प्रेषित किया गया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदे मातरम से सम्पन्न हुआ व मिठाई वितरण किया गया। संचालन छात्र संघ उपाध्यक्ष खुश लिखार, सचिव वैभव दवे ने किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com